मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 186 ■ बुधवार 15 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

मस्जिद में जूते पहनने के आरोप पर भड़कीं सोनाक्षी

बदलापुर से कांजुरमार्ग 1 घंटे में

38 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन

देश की सबसे लंबी मेट्रो लाइन बनाने की योजना

- 7 लाख यात्री कर सकेंगे यात्रा
- मुंबई के लिए एक बेहद ज़रूरी मेट्रो
- कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएँगे
- निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई

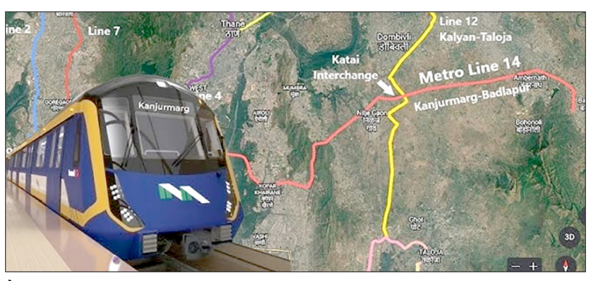

बदलापुर. भारत में बड़ी संख्या में शहरी परिवहन परियोजनाएँ विकसित की जा रही हैं। इनमें मेट्रो परियोजनाएँ मुख्य केंद्र बिंदु बन रही हैं। महाराष्ट्र के मुंबई महानगर में मेट्रो परियोजनाएँ विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यहाँ देश की सबसे लंबी मेट्रो लाइन बनाने की योजना बनाई गई है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने बदलापुर से कांजुरमार्ग तक एक नई मेट्रो लाइन बनाने का निर्णय लिया है। जो पूरे देश की सबसे लंबी मेट्रो लाइन होगी। इस परियोजना से मुंबईवासियों को यात्रा में काफी सुविधा होगी। इससे बदलापुर और कांजुरमार्ग के बीच ढाई घंटे का सफर मात्र 1 घंटे में पूरा हो जाएगा।

बदलापुर से कांजुरमार्ग मेट्रो लाइन 14, कई मेट्रो लाइनों में से एक महत्वपूर्ण परियोजना है। वर्तमान में, इस मार्ग पर यात्रा का एकमात्र साधन लोकल ट्रेनें हैं। हालाँकि, मानसून के दौरान, लोकल ट्रेनें भी बंद कर दी जाती हैं। जिससे नागरिकों का मुंबई शहर से संपर्क टूट जाता है। एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि 38 किलोमीटर लंबी यह मेट्रो लाइन मुंबई के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। इस रूट पर मेट्रो का संचालन शुरू होने के बाद, लगभग 7 लाख यात्री प्रतिदिन यात्रा कर सकेंगे।

आईआईटी मुंबई ने मेट्रो परियोजना की डीपीआर का अध्ययन करने के बाद परियोजना को हरी झंडी दे दी है। साथ ही, स्पेन के मिलान मेट्रो प्रशासन ने इस मेट्रो को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से बनाने की सिफारिश की है। निविदा रुचि पत्र प्रकार की है। इसका अर्थ है कि प्राधिकरण निजी कंपनियों की संभावित भागीदारी के बारे में जानकारी एकत्र कर रहा है। निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई है और उसके बाद, निविदाओं की जाँच के बाद शेष कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएँगे।

परियोजना पर अंतिम निर्णय राज्य सरकार के पास

यह मेट्रो लाइन सार्वजनिक–निजी भागीदारी के तहत बनाई जाएगी। हालाँकि निविदाएँ जारी कर दी गई हैं, लेकिन अंतिम निर्णय राज्य सरकार का होगा। सूत्रों के अनुसार, एमएमआरडीए के उपाध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने परियोजना पर चर्चा की है। उसके बाद, राज्य मंत्रिमंडल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से चर्चा के बाद इसे मंज़ूरी देगा। देश की सभी मेट्रो परियोजनाएँ केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की निगरानी में आती हैं, इसलिए केंद्र सरकार को भी इसकी जानकारी दी जाएगी। सभी प्रक्रियाएँ पूरी होने के बाद, बदलापुर–कांजुरमार्ग मेट्रो लाइन का निर्माण 2026 में शुरू होने की संभावना है।

उल्हासनगर पुलिस ने किशोर पिटाई प्रकरण

मुख्य आरोपी को नाशिक से दबोचा

- कोर्ट ने भेजा पुलिस हिरासत में

उल्हासनगर. मधुबन चौक क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोर की पिटाई के मामले में फरार मुख्य आरोपी मोहित लोहिया को पुलिस ने नाशिक से गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को आरोपी को उल्हासनगर कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना के दिन किशोर कीर्तन सुनकर लौट रहा था तभी कुछ युवकों ने उसे रोका और जबरन पैसे मांगने लगे। किशोर द्वारा विरोध करने पर युवकों ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना के बाद उल्हासनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मुख्य आरोपी मोहित लोहिया गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत की कोशिश में था, लेकिन पुलिस टीम ने सतर्कता और रणनीति से उसे नाशिक से धर दबोचा।

जांच अधिकारी पीएसआई आशीष पवार ने बताया कि आरोपी मोहित लोहिया के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी में उल्हासनगर पुलिस टीम के पीएसआई आशीष पवार, सिद्धार्थ गायकवाड़, संदीप सोनवणे, क्राइम ब्रांच के अधिकारी प्रसाद तोंडीलेकर और रामदास उगले का विशेष योगदान रहा।

वास्तविक वजह पता लगाने में जुटी पुलिस

इसके अलावा नाशिक क्राइम ब्रांच की टीम ने भी इस कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई। एपीआई समाधान हिरे, पठान, एएसआई गुलाब सोनार, हेड कॉन्स्टेबल सनप और हेड कॉन्स्टेबल गावली ने संयुक्त अभियान चलाकर आरोपी को पकड़ा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस पिटाई प्रकरण में और कौन–कौन युवक शामिल थे तथा घटना के पीछे की वास्तविक वजह क्या थी।

उल्हासनगर में एक साल पहले बनी सड़क खोद दी

- मनपा निर्माण विभाग का कारनामा

उल्हासनगर. नेताजी गार्डन जाने वाली एक साल पहले बनी सीमेंट-कंक्रीट सड़क को भूमिगत सीवर योजना के तहत सीवर पाइप बिछाने के लिए खोद दिया गया। मनसे जिला अध्यक्ष बंडू देशमुख और अन्य सत्तारूढ़ व विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि खोदकर बनाई गई सड़कें घटिया तरीके से बनाई जा रही हैं।

वार्ड समिति कार्यालय के बगल से गुजरने वाली नेताजी गार्डन सड़क को एक साल पहले करोड़ों की राशि से बनाया गया था। सड़क बनने से पहले, सड़क के नीचे से एक भूमिगत सीवर गुजरता है। क्या निर्माण और जल आपूर्ति विभाग को इसकी जानकारी नहीं थी? यह सवाल उठा। एक साल पहले बनी सड़क को भूमिगत सीवर योजना के तहत सीवर पाइप बिछाने के लिए खोदा जा रहा है।

सड़क खोदकर सीवर पाइप बिछाने का काम जारी है। खोदी गई सड़कों को 'जैसी की तैसी' बनाने की शर्त तो है, लेकिन खोदी गई सड़कों का निर्माण घटिया तरीके से किया जा रहा है। मनसे और उद्धव सेना के पदाधिकारियों ने इस निर्माण पर आपत्ति जताई है। खोदी गई सड़क पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है और खोदी गई सड़क की मरम्मत घटिया स्तर की होने की बात सामने आई है। इस वजह से नागरिकों में रोष है।

स्वर्ण व्यापारियों से 80 लाख की ठगी

उल्हासनगर. उल्हासनगर में स्वर्ण व्यापारियों से 80 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस घटना में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है।

हरेशलाल टेकचंद वलेचा, हेमंत हरेशलाल वलेचा और प्रदीप हरेशलाल वलेचा उल्हासनगर कैंप क्रमांक 2 के स्वर्ण व्यापारी महेश लोकुमल पाहुजा से सोना बनवा रहे थे। जौहरियों को मिलने वाले वेतन के बदले में वे सोना दे रहे थे। नवंबर 2022 से 2 मार्च 2025 के बीच, तीनों ने 1358.68 ग्राम 22 कैरेट सोना और 1241.27 ग्राम 24 कैरेट सोने के आभूषण बनवाने का ऑर्डर दिया।

पहुजा ने अपनी दुकान और घर में मौजूद सोने से वलेचा का आभूषण ऑर्डर पूरा किया, जिससे उन्हें कुल 80 लाख रुपये के आभूषण मिले। लेकिन जब पैसे और गहने वापस नहीं मिले, तो पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। जब पाहुजा ने गहने और पैसे वापस मांगे, तो वलेचा ने उसे आत्महत्या और केस दर्ज कराने की धमकी दी। आखिरकार, पाहुजा उल्हासनगर पुलिस स्टेशन पहुँचे और पुलिस को पूरी घटना बताई। वलेचा के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने वलेचा तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया।

फडणवीस ने दिया गठबंधन फार्मूला

भाजपा ने शुरू कीं मनपा चुनाव की

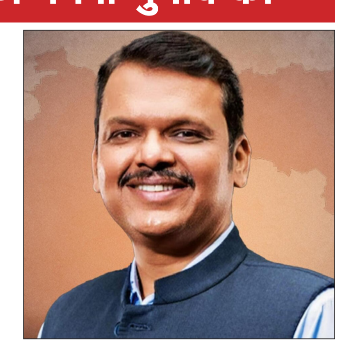

उल्हासनगर. महाराष्ट्र में इस साल के अंत में या फिर अगले साल की शुरुआत में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले है। ऐसे में चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां अभी से सियासी समीकरण सेट करने में लगी हुई है फिर चाहे वो सत्ताधारी एनडीए यानी महायुति हो या फिर विपक्षी महाविकास अघाड़ी हो तो दोनों ही दलों की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई है। वहीं राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर बड़ा बयान दिया है कि जहाँ भी संभव होगा तो वह महायुति के रूप में चुनाव लड़ेंगे। सीएम ने कहा कि हम उन संगठनात्मक स्थितियों की समीक्षा कर रहे हैं जहाँ गठबंधन बन सकता है और जहाँ भी संभव होगा तो हम महागठबंधन बनाएंगे। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के अवसर पर विभागीय बैठकें की है। हम वहां की संगठनात्मक स्थिति, वहां के बूथों की संरचना, पिछले चुनाव में वहां क्या स्थिति थी और अब क्या स्थिति है तो इसकी समीक्षा कर रहे है। वहीं सीएम ने कहा कि किसी भी कार्यकर्ता के साथ अन्याय नहीं होने देंगे और अगर वहाँ अच्छा कार्य कर्ता होगा तो निष्पक्ष लड़ाई होगी।

राजेश वधारिया को सौंपी गई उमनपा चुनाव की जिम्मेदारी

बता दे कि राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर भाजपा आला नेताओं द्वारा जिल्हा इकाइयों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिसके तहत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हान द्वारा उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव की जिम्मेदारी उल्हासनगर जिल्हाध्यक्ष राजेश वधारिया को सौंपी गई है और जो जिम्मेदारी वर्तमान में शहर के राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए राजेश वधारिया के लिये किसी अग्निपरीक्षा जैसी साबित होने वाली है!

ठाणे के बाज़ारों में पारंपरिक कंदील

- पर्यावरण-अनुकूल आकाश कंदील से पटे बाजार

ठाणे. दिवाली का त्यौहार आते ही बाज़ार जगमगा उठते हैं। बाज़ार मिट्टी के दीयों और बिजली की लड़ियों से सज जाते हैं। तरह-तरह के आकार-प्रकार के आकाश कंदील की बहार देखी जा सकती है। ठाणे की गलियों के बाज़ार ऐसी चीज़ों से अटे पड़े हैं। दुकानों और सड़कों पर लटके रंग-बिरंगे आकाश कंदील लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। इनमें प्राकृतिक सामग्री से बने पारंपरिक आकाश कंदील, पर्यावरण-अनुकूल कंदील खास आकर्षण बन रहे हैं।

आकाश कंदील में पारंपरिक पंचकोणीय, वर्गाकार, षट्कोणीय और बारकोणीय डिज़ाइनों के साथ-साथ जूट के बेलन, झूमर, चक्र, छोटे कंदील और तोरण जैसे विभिन्न पारंपरिक और आकर्षक कंदील बाज़ार में बिक्री के लिए आ गए हैं। लेस, मोतियों, कांच और रंगीन कपड़ों से सजे लालटेन ज़्यादा आकर्षक लग रहे हैं। एक कंदील की कीमत 50 रुपये से शुरू होती है। इसलिए, हर किसी के लिए यह किफायती दामों पर उपलब्ध हैं।

हेरम्ब आर्ट्स के पर्यावरण-अनुकूल कंदील दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं और ठाणेकरों की पसंदीदा कंदील के रूप में देखे जाते हैं। इनकी माँग न केवल ठाणे और मुंबई में, बल्कि अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर और जर्मनी जैसे देशों में भी काफी है। भारतीय परंपरा और प्राकृतिक शिल्पकला से सजे होने के कारण, विदेशों में रहने वाले भारतीय इन्हें पसंद कर रहे हैं। विदेश जाने वाले ये लालटेन ठाणे की शान में चार चाँद लगा रहे हैं। 25 वर्षों से, हेरम आर्ट्स ठाणे में दिवाली की रोशनी को एक अलग ही चमक दे रहा है। पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से कंदील बनाना उनकी विशेषता है।

जूट, बाँस, कपड़े, चटाई, गत्ते और प्राकृतिक सामग्रियों से बने ये कंदील सिर्फ़ सजावट के लिए नहीं हैं, बल्कि पर्यावरण जागरूकता को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं।

पारंपरिक आकाश कंदील चलन में

हम ठाणेकरों की पसंद को देखकर और उसका अध्ययन करके नए डिज़ाइन तैयार करते हैं। इस साल, पारंपरिक आकाश कंदील फिर से चलन में हैं। इन कंदीलों को इस तरह बनाया गया है कि पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुँचे।

– कैलाश देसले
हेरम्ब कला संस्थान, ठाणे

भिवंडी कोन-कल्याण मार्ग पर ट्रैफिक जाम से यात्री परेशान

कल्याण. कल्याण और भिवंडी कोन के बीच सड़क पर रोज़ाना लगने वाले ट्रैफिक जाम से यात्री परेशान हैं। भिवंडी क्षेत्र में स्थित लॉजिस्टिक पार्क से छोटे-बड़े मालवाहक वाहन लगातार इसी सड़क पर दौड़ते रहते हैं। इस ट्रैफिक जाम से सबसे ज़्यादा प्रभावित भी वे ही होते हैं। यात्रियों की शिकायत है कि मुंबई-नासिक राजमार्ग पर भिवंडी मोड़ मार्ग से तेज़ गति से आने वाले वाहन कोन क्षेत्र में पहुँचने पर घंटों ट्रैफिक जाम में फँसे रहते हैं।

भिवंडी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के ज़्यादातर मज़दूर वर्ग मुंबई, नवी मुंबई, आसनगांव, कसारा क्षेत्रों में जाने के लिए कल्याण रेलवे स्टेशन का इस्तेमाल करते हैं। ये यात्री सुबह के समय भिवंडी शहर क्षेत्र से कल्याण रिक्शा, निजी वाहनों और कारों में तेज़ गति से आने की कोशिश करते हैं। ये वाहन उस गति से आते तो हैं, लेकिन कोन गाँव की सीमा तक पहुँचने पर ये वाहन दोनों तरफ़ के वाहनों के कारण ट्रैफिक जाम में फँस जाते हैं। यात्रियों की माँग है कि प्रशासन कोन गाँव क्षेत्र में इस ट्रैफिक जाम को दूर करने के लिए पहल करे।

भिवंडी और कल्याण क्षेत्र के कई छात्र शिक्षा के लिए क्षेत्र के स्कूलों में जाते हैं। स्कूल बसें इस जाम में फंस जाती हैं। घंटों जाम में फंसी बसों के कारण छोटे बच्चे बसों में ही फंसे रहते हैं। बच्चों के समय पर स्कूल न पहुँचने से स्कूल संचालकों और अभिभावकों को परेशानी होती है क्योंकि दोपहर और शाम के समय जाम के कारण बच्चे समय पर घर नहीं लौट पाते। इस जाम से सबसे ज़्यादा प्रभावित मज़दूर वर्ग, छात्र और मालवाहक हैं। भिवंडी क्षेत्र में विभिन्न कंपनियों के गोदाम हैं। इन गोदामों का माल कंपनियों द्वारा कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, बदलापुर, अंबरनाथ क्षेत्र के शहरों में प्रतिदिन छोटे-छोटे टेम्पो से पहुँचाया जाता है। इस सड़क पर इन वाहनों की संख्या ज़्यादा है। कल्याण, डोंबिवली, शिलफाटा क्षेत्र के वाहन कल्याण शहर से शिवाजी चौक, गोविंदवाड़ी वालान रोड होते हुए दुर्गाडी किला चौक से भिवंडी जाने की कोशिश करते हैं। ये वाहन कोन गाँव क्षेत्र की सड़कों पर जाम में फंस जाते हैं।

दुर्गाडी किला में अभी नवरात्रि का भव्य उत्सव चल रहा है। किले की तलहटी में मेला लगता है। क्षेत्र से सैकड़ों भक्त प्रतिदिन दर्शन के लिए दुर्गाडी किले में आते हैं। दुर्गाडी किले क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था न होने से इन भक्तों के वाहन क्षेत्र के चौकों और सड़कों के किनारे खड़े कर दिए जाते हैं। इससे भीड़भाड़ बढ़ जाती है। कल्याण भिवंडी मार्ग पर लगने वाली इस भीड़भाड़ से व्यापारियों और कर्मचारियों को काफी परेशानी होती है। इस भीड़भाड़ से तंग आकर भिवंडी के ग्रामीण क्षेत्रों से कई कर्मचारी वेल्हे क्षेत्र से खाड़ी के रास्ते डोंबिवली मोठागांव आते हैं। वहां से समझा जाता है कि वे रिक्शा से डोंबिवली रेलवे स्टेशन आते हैं और यात्रा करते हैं।

उल्हासनगर महानगर पालिका चुनाव में

पैनल 2 व 6 से कुमार चैनानी परिवार की तैयारी

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव की तैयारियां जोरों पर चल रही है। ऐसे में सूत्रों से जानकारी मिली है कि समाजसेवी कुमार चैनानी पैनल 2 तथा पैनल 6 से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। ज्ञात हो कि कुमार चैनानी पिछले कई वर्षों से सक्रिय समाजसेवी के रूप में कार्य कर रहे हैं। पिछले मनपा चुनाव में चैनानी ने पैनल 2 में दिग्गजों को हराया था जिस कारण उनकी इस पैनल में अच्छी खासी पकड़ बनी हुई है और पैनल 6 में भी उनका घर होने के कारण उन्हें लोगों का चुनाव में खड़ा होने के लिए अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। वो किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगे यह पता नहीं चला है लेकिन पैनल 2 व पैनल 6 में उनकी मजबूत दावेदारी से दिग्गजों के लिए खतरे की घंटी बन गई है।

9 साल से ज्यादा पुरानी कैब नहीं चलेगी

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में एग्रीगेटर कंपनियों (ओला, उबर, रैपिडो) पर अधिक अनुशासन, पारदर्शिता और यात्री सुरक्षा के लिए 'महाराष्ट्र मोटर वाहन एग्रीगेटर नियम 2025' के ड्राफ्ट की घोषणा की थी। ड्राफ्ट के अनुसार, ऑटो रिक्शा और कैब के रजिस्ट्रेशन के बाद से वह गाड़ी महज 9 साल तक चलाई जा सकती है।

ट्रैफिक को लेकर यातायात विभाग की विशेष अधिसूचना जारी

- 23 अक्टूबर तक विशेष नियम लागू

उल्हासनगर. उल्हासनगर में दिवाली की खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़ को देखते हुए यातायात विभाग ने एक बड़ा फैसला लिया है। कैंप 2 स्थित नेहरू चौक और शिरु चौक के बीच भारी भीड़ के कारण लगने वाले जाम से बचने के लिए ठाणे शहर यातायात विभाग ने अस्थायी यातायात नियंत्रण आदेश जारी किए हैं।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) पंकज शिरसाट द्वारा जारी इस अधिसूचना के अनुसार, 10 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2025 तक कुछ मार्गों पर बड़े वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा, जबकि दोपहिया वाहनों को सीमित सीमा तक ही चलने की अनुमति होगी। चूँकि जापानी मार्केट, गजानन मार्केट के साथ-साथ अमन रोड पर पटाखों और बिजली के सामानों का थोक बाजार भी इसी क्षेत्र में स्थित है, इसलिए हर साल बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न होती है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए ठाणे शहर यातायात विभाग के पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत यातायात प्रतिबंध लगाए हैं।

दिवाली के मद्देनजर उल्हासनगर में यह यातायात नियंत्रण योजना व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए सुविधाजनक होगी। भीड़-भाड़ वाले बाजारों में अनुशासित यातायात व्यवस्था के कारण, नागरिक बिना किसी झिझक के खरीदारी का आनंद ले सकेंगे और शहर में दिवाली का उत्साह और भी बढ़ जाएगा।

■ आवश्यक वाहनों को छूट

इस अधिसूचना में अग्निशमन विभाग, एम्बुलेंस, पुलिस वाहनों और अन्य आवश्यक सेवा वाहनों को छूट दी गई है। अतः आपातकालीन सेवाओं में कोई व्यवधान नहीं होगा।

■ कार्यान्वयन अवधि

यह यातायात अधिसूचना 10 से 23 अक्टूबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान, पुलिस द्वारा दैनिक निगरानी, मार्ग परिवर्तन और यातायात मार्गदर्शन व्यवस्था लागू की जाएगी।

प्रवेश मार्ग बंद...

- अमन रोड से नेहरू चौक की ओर जाने वाली सड़क पर दोपहिया वाहनों को छोड़कर सभी वाहनों का पटेल मार्ट चौक में प्रवेश वर्जित है।

वैकल्पिक मार्ग : पटेल मार्ट से, बाएँ मुड़ें और हीरा मैरिज हॉल, मधुबन चौक, गोल मैदान मार्ग से होते हुए अपने गंतव्य तक जाएँ।

- नेहरू चौक से शिरू चौक की ओर जाने वाली सड़क पर दोपहिया वाहनों को छोड़कर सभी वाहनों का नेहरू चौक में प्रवेश वर्जित है।

वैकल्पिक मार्ग : नेहरू चौक से देवी भवानी चौक, गोल मैदान, उल्हासनगर नंबर 1 मार्ग की ओर जा सकते हैं।

लोडिंग-अनलोडिंग समय...

1) दोपहर 12 :30 बजे से रात 12 :00 बजे तक : इन दोनों सड़कों पर लोडिंग–अनलोडिंग के लिए प्रवेश बंद रहेगा।
2) लोडिंग–अनलोडिंग के लिए प्रवेश दोपहर 00 :01 बजे से दोपहर 12 :30 बजे तक खुला रहेगा।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

पाकिस्तान और तालिबान के बीच संघर्ष

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर हाल में हुई हिंसक झड़पों से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। वैसे दोनों ओर संघर्ष के मोर्चे इस तरह खुलने की यह पहली घटना नहीं है। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान का शासन कायम होने के बाद भी यह सिलसिला जारी है। गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान पहले जिस तालिबान का हितैषी कहलाता था, आज वह उनके खिलाफ ही खड़ा हो गया है।

इसका कारण यह है कि पाकिस्तान अपने इलाके में हो रहे आतंकी हमलों के लिए तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) को जिम्मेदार मानता है और यह आरोप लगाता रहा है कि उसे अफगानिस्तान की मौजूदा तालिबान सरकार का संरक्षण प्राप्त है। दोनों देशों के सुरक्षाबलों के बीच संघर्ष की यह घटना ऐसे समय में हुई, जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत दौरे पर आए। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या पाकिस्तान को अफगानिस्तान का भारत के साथ मेलजोल बढ़ाना रास नहीं आ रहा है?

दरअसल, पाकिस्तान के गठन के बाद से ही अफगानिस्तान के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं रहे हैं। वर्ष 1949 में आजाद पश्तूनिस्तान बनाने के मुद्दे पर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की आदिवासी बस्तियों पर हमले किए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा पर हिंसक झड़पों का सिलसिला शुरू हो गया। पाकिस्तान का दावा है कि जब से अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता आई है, टीटीपी ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। उधर, अफगानिस्तान का आरोप है कि पाकिस्तान के सुरक्षाबल बिना कारण उसके सीमा क्षेत्र में हवाई हमले कर रहे हैं। दोनों देशों के आपसी विवाद की एक वजह सीमा पर 1893 में ब्रिटिश हुकूमत के दौरान खींची गई 'डूरंड रेखा' भी है, जिसे पाकिस्तान मान्यता देता है, लेकिन अफगानिस्तान इसे अस्वीकार करता रहा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान जिस तरह से भारतीय सीमा पर आतंकियों की घुसपैठ कराता है, उसी तरह के आरोप अब वह अफगानिस्तान पर लगा रहा है। बहरहाल, आने वाले दिनों में दोनों देशों के बीच तनाव कम होगा या संघर्ष तेज होगा, यह देखने वाली बात होगी।

विचार: यथार्थवादी हुई भारतीय विदेश नीति

आज की भूराजनीतिक घटनाओं के विश्लेषण से स्पष्ट है कि राष्ट्रों के परस्पर संबंध जितने यथार्थवाद और साझा लाभ के कारण मधुर हो सकते हैं, उतने विचारधारा और साझा मूल्यों के दम पर नहीं। अमेरिका के विषय में तो यह बात द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही लागू है, जो राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में और मुखर रूप से सामने आ रही है। यदि ऐसा न होता तो 'वार आन टेरर' छेड़ने वाला अमेरिका सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के बजाय आतंक को अपनी 'राज्य-नीति' के रूप में प्रयोग करने वाले एवं अधिकांश समय सैन्य तानाशाही में रहने वाले छद्म लोकतंत्र पाकिस्तान को प्राथमिकता नहीं दे रहा होता।

भारत की भी विदेश नीति आदर्शवाद से प्रभावित होकर लंबे समय तक लोकतंत्र, मानवाधिकार और स्वतंत्रता जैसे अपने राष्ट्रीय मूल्यों को विश्व में भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को स्थापित करने का आधार बनाकर चलती रही, जिसके चलते कई नुकसान झेलने पड़े। प्रधानमंत्री मोदी के शासन में इसमें परिवर्तन देखने को मिला। भारत ने भी वैश्विक राजनीति में विशुद्ध यथार्थवाद को गले लगाना शुरू कर दिया है।

अब भारत विदेश नीति में आवश्यकताओं और हितों को अपनी मान्यताओं के ऊपर रखता है। भारत द्वारा अफगानिस्तान के विदेश मंत्री और तालिबान के नेता आमिर खान मुत्तकी की मेजबानी इसका उदाहरण है। सनद रहे कि मुत्तकी का संगठन तालिबान जिस कट्टर इस्लामिक वहाबी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है, भारत

उसका समर्थन करना तो दूर, उसे समझने और स्वीकार करने को भी राजी नहीं है, परंतु यथार्थवादी नीति का प्रदर्शन करते हुए भारत ने मुत्तकी के स्वागत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने आमिर खान मुत्तकी के साथ मुलाकात की। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत ने काबुल में अपने तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की, जो तालिबान से संबंधों में सुधार का एक बड़ा संकेत है। जयशंकर ने सद्भावना के रूप में उन्हें पांच एंबुलेंस भी सौंपी, जो भारत की अफगानों के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। मुत्तकी ने भी भारत को "करीबी दोस्त" मानते हुए पारस्परिक विकास एवं क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गहरे सहयोग का वादा किया। जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया।

मुत्तकी ने यह आश्वासन दिया कि अफगान क्षेत्र का उपयोग भारत सहित किसी भी देश के खिलाफ धमकी या नुकसान के लिए नहीं होगा। भारत ने छह विकास परियोजनाओं, एमआरआइ और सीटी स्कैनर जैसे चिकित्सा उपकरण, टीके, कैंसर की दवाएं और संयुक्त राष्ट्र समर्थित नशा मुक्ति सहायता सहित नई मानवीय पहलों का भी वादा किया। इसके इतर मुत्तकी ने भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान के खनन, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता नहीं दी है, लेकिन इस दौरे से दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने की संभावनाएं खुल सकती हैं। पहले की तुलना में आज के अफगानिस्तान की घरेलू और क्षेत्रीय वास्तविकताएं बदल गई हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के समक्ष कोई सक्षम संगठित विपक्ष नहीं है। ऐसे में भारत के पास भी तालिबान से सहयोग बढ़ाने के अलावा कोई विशेष विकल्प नहीं है। भारत अपनी पुरानी गलती को नहीं दोहराना चाहता, जब उसने तालिबान की पिछली सरकार से कोई संपर्क नहीं रखा और उसका खामियाजा उसे 1999 के कंधार विमान अपहरण कांड में उठाना पड़ा। उस समय पाकिस्तानी आतंकी विमान को कंधार ले गए थे। यदि भारत का उस समय तालिबान से कोई संपर्क होता तो शायद विमान छोड़ने की शर्तों को कम कठिन बनाया जा सकता था।

भारत ने अफगानिस्तान में लगभग तीन अरब डालर का निवेश किया है, जिसकी रक्षा के लिए तालिबान के साथ काम करना आवश्यक हो जाता है। भारत द्वारा विकसित किया जा रहा ईरान का चाबहार बंदरगाह भी अफगानिस्तान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे पर एक प्रमुख पारगमन केंद्र के रूप में इसकी स्थिति इसे इस क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण वाणिज्यिक केंद्रों में से एक के रूप में विकसित होने की क्षमता प्रदान करती है।

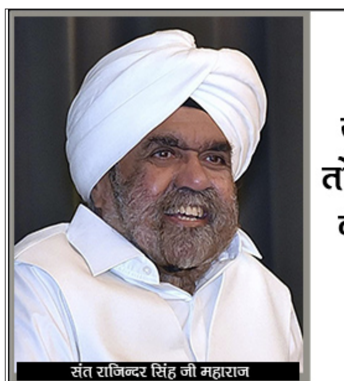

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जब हम ध्यानाभ्यास करते हैं, तो हम अपने आसपास के लोगों को शांति व ख़ुशी प्रदान करने का जरिया बन जाते हैं।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पुलिस की लाचारगी का है सबूत

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार के बाद राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जहां इस अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई से लेकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस उपाय करने पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए था, वहां वे अपना पल्ला झाड़ने के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करती दिखती हैं। गौरतलब है कि दुर्गापुर में कालेज के प्रवेश द्वार के पास से अगवा करके कुछ लोगों ने छात्रा से सामूहिक बलात्कार किया।

यह घटना पुलिस और कानून-व्यवस्था की लाचारगी का ही सबूत है कि आपराधिक तत्त्वों ने एक तरह से बेखौफ होकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। अफसोसनाक यह है कि कानून-व्यवस्था की इस स्तर की नाकामी के बाद राज्य की मुख्यमंत्री को जहां पहले जिम्मेदारी लेने और राज्य के पुलिस तंत्र को सवालों के कठघरे में खड़ा करना चाहिए था, वहां उन्होंने कहा कि छात्राओं को देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए।

सवाल है कि एक जघन्य अपराध के बाद ममता बनर्जी राज्य में कानून-व्यवस्था की हकीकत को स्वीकार करने के बजाय पीड़ित को ही जिम्मेदार बता कर क्या हासिल करना चाहती हैं। क्या

एक राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद वे यह स्वीकार कर रही हैं कि उनके शासन में रात के समय बलात्कार और अन्य जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले लोगों पर पुलिस या कानून की कोई लगाम नहीं होती? दरअसल, महिलाओं को देर रात घर से निकलने पर अपराधियों से खतरा होने को लेकर ममता बनर्जी का बयान न केवल लापरवाही से भरा है, बल्कि अपराधियों के दुस्साहस को और मजबूत करता है।

पिछले कुछ समय में पश्चिम बंगाल में बलात्कार की लगातार कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे राज्य सरकार पर सवाल उठे हैं। मगर जिम्मेदारी लेने के बजाय सरकार आक्रामक होकर अपना बचाव करने की कोशिश करती है। इस क्रम में पीड़ित पर ही सवाल उठाने की प्रवृत्ति बेहद गैरजिम्मेदाराना है। किसी दुखद घटना का सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटनाओं को रोकने के लिए हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के सवाल से सरकार खुद ही पल्ला झाड़ने में लगी है।

इतनी संवेदनशीलता किसी भी इंसान के भीतर होनी चाहिए कि वह बलात्कार और उसके बाद पीड़ित की मनःस्थिति की गंभीरता को समझे। ऐसे मामलों में व्यक्ति के भीतर मानवीयता के मूल्यों की समझ का भी अंदाजा लगता है। मगर न केवल एक महिला, बल्कि राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता बनर्जी ने सामूहिक बलात्कार की पीड़ित की मनोदशा और पीड़ा को समझना जरूरी नहीं समझा।

बयान का विरोध होने पर वे भले ही सफाई में अपनी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया बताएं, लेकिन हकीकत यही है कि उन्होंने राज्य की मुख्यमंत्री पद पर होने और अपनी कोई जवाबदेही का एहसास करने के बजाय कानून-व्यवस्था को लागू करने में नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश की। राजनीति में अपने विपक्षियों का सामना या उनसे टकराव एक राजनीतिक तकाजा हो सकता है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों के मामले में अगर इस तरह की लापरवाही से भरी प्रतिक्रिया दी जाती है, तो यह मुख्यमंत्री के रूप में उनकी शासकीय गंभीरता और क्षमता को भी कठघरे में खड़ा करता है।

ट्रेन के आखिरी डिब्बे के पीछे क्यों बना होता है X का निशान

भारतीय रेलवे देश की जान है। रोजाना लाखों-करोड़ों लोग इससे सफर करते हैं और अपने गंतव्यों तक पहुंचते हैं। जब भी

जरा हट के

आपने ट्रेन से यात्रा की होगी, तो बीच-बीच में कई जगह खास तरह के साइन बोर्ड देखे होंगे। इसी तरह का एक निशान ट्रेन के आखिरी डिब्बे के पीछे बना होता है जो X (क्रॉस) का होता है। आमतौर पर इसका रंग पीला होता है। इस साइन का भी अपना एक महत्व है और यह यूं ही ट्रेन के पीछे नहीं बनाया जाता है।

दरअसल, इसके पीछे एक खास वजह है। रेलवे के अनुसार, इसे पीले रंग से आखिरी डिब्बे के पीछे इसलिए बनाते हैं, ताकि रेलवे अधिकारी दूर से यह कन्फर्म कर सकें कि ट्रेन पूरी तरह से रवाना हो गई है। इसका एक और अहम महत्व है। दूर से ही चूंकि पीला रंग दिख जाता है, इसलिए उसी ट्रैक पर पहले से ही कोई देख सकता है कि आगे एक ट्रेन है। दुर्घटना से बचने के लिए इस निशान को बनाया जाता है।

अगर किसी ट्रेन के आखिरी डिब्बे पर पीला क्रॉस का मार्क मौजूद है, तो यह जानने में आसानी होगी कि ट्रेन पूरी सही सलामत तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंच रही है। किसी भी तरह का कोई हादसा नहीं हुआ है। सभी डिब्बे सलामत हैं। आखिरी डिब्बे पर ही इसीलिए रेलवे क्रॉस का निशान बनाता है। इसके अलावा, ट्रेन के आखिरी डिब्बे के नीचे एलवी भी लिखा होता है। इसका मतलब लास्ट व्हेकिल होता है यानी कि यह आखिरी डिब्बा है

सुरक्षा सुनिश्चित करना: हर स्टेशन पर रेलवे कर्मचारी 'X' के निशान को देखकर ट्रेन की जाँच करते हैं और हरी झंडी दिखाकर उसे आगे बढ़ने का संकेत देते हैं।

खाना-खजाना

ब्रेड पकौड़ा

सामग्री :

- ब्रेड स्लाइस
- उबले हुए आलू
- बेसन- 1 कप
- बारीक कटी हरी मिर्च
- बारीक कटा हरा धनिया
- थोड़ा सा तेल

मसाले

- धनिया पाउडरः 1 छोटा चम्मच
- जीरा पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडरः 1/4 छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- बेकिंग सोडाः 1/4 छोटा चम्मच

विधि :

ब्रेड पकौड़ा बनाने के लिए आपको सबसे पहले इसकी

स्टफिंग तैयार करनी है। स्टफिंग बनाने के लिए उबले हुए आलूओं को छील कर अच्छी तरह से मैश करें। अब एक कढ़ाई लेकर उसमें थोड़ा सा तेल डालें और फिर बारीक कटी हरी मिर्च, हल्दी और जीरा डालकर भूनें। जीरा सुनहरा होने पर इसमें आलू डालें। इन आलुओं में अब धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, और नमक मिलाएं। जब ये सही से पक जाए तो इसमें कटी हुई धनिया की पत्तियां डालें।

अब इसे ठंडा होने के लिए साइड में रख दें। जब तक ये ठंडा हो रहा है तब तक बेसन का घोल तैयार करें। इसके लिए एक बाउल में बेसन, नमक, हल्दी पाउडर और बेकिंग सोडा मिलाएं। इसमें धीरे-धीरे पानी डालते हुए गाढ़ा घोल तैयार करें। सबसे आखिर में ब्रेड स्लाइस को तिरछे काटकर दो हिस्सों में बांट लें। हर ब्रेड के टुकड़े पर आलू का मिश्रण फैलाएं और दूसरी ब्रेड का टुकड़ा ऊपर रख दें। अब इन तैयार ब्रेड सैंडविच को बेसन के घोल में डुबोएं और तुरंत निकाल लें। ध्यान रखें कि बेसन का बेटर ज्यादा गाढ़ा न हो। अब एक गर्म तवे पर हल्का सा तेल डालें और उस पर ये बेसन में डूबा ब्रेड सैंडविच रख। अब इसे हर तरफ से सुनहरा होने तक सेकें। कुरकुरा होने के बाद इसे चाय और खट्टी-मीठी चटनी के साथ परोसें।

घर में लगा रहे बोनसाई का पौधा

- तो सही दिशा के साथ देखरेख में रखें इन बातों का ख्याल
- वास्तु दोष भी होगा दूर

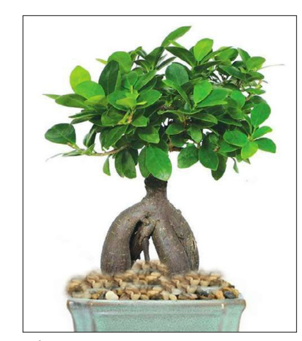

घर के वातावरण को हरा-भरा, प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए इंडोर प्लांट्स लगाना जरूरी होता है. कई ऐसे पौधे होते हैं, जो घर की हवा को शुद्ध करते हैं, ऑक्सीजन का संचार करते हैं. इतना ही नहीं ये वास्तु के हिसाब से भी काफी फायदेमंद होते हैं. ऐसा ही एक पौधा है बोनसाई का पौधा. अधिकतर लोग बोनसाई का पौधा अपने घर और ऑफिस डेस्क पर सजा कर रखते हैं. यह खूबसूरत तो लगता ही है, घर के लिए शुभ भी होता है. हालांकि, अधिकतर लोग बोनसाई का पौधा रख तो लेते हैं, लेकिन सही दिशा में नहीं रखते. इससे फायदा नहीं होता बल्कि तरक्की में बाधा उत्पन्न हो सकता है. ऐसे में इसे किस दिशा में रखना चाहिए, देखरेख कैसे करें और बोनसाई प्लांट रखने से क्या वास्तु दोष दूर होता है, जानें यहां.

आजकल जगह की कमी इतनी हो गई है कि लोग घर, ऑफिस, कॉम्प्लेक्स, पिकनिक स्पॉट, पार्क, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग आदि में गमलों में पेड़-पौधे लगाते हैं. बोनसाई के पौधों को विशेष तकनीक के द्वारा गमलों में लगाया जाता है. इन पौधों की ऊंचाई और फैलाव बहुत कम होता है, परंतु इनमें फल और पुष्प आदि सामान्य पौधों के समान ही प्राप्त किए जा सकते हैं।.

सही दिशा का रखें बोनसाई का पौधा

वास्तु नियमों के अनुसार, अगर घर या कार्यालय में उचित दिशा का ध्यान रखते हुए बोनसाई पौधे लगाए जाएं तो इनका शुभ प्रभाव देखने को मिलता है. पूर्व दिशा में तुलसी, पश्चिम में शाक-सब्जी, उत्तर में हरी कोमल दूब या घास और दक्षिण में बड़े पत्तों वाले पौधे जैसे मनी प्लांट लगाने चाहिए. इसी प्रकार उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में हरी दूब घास, दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) में जलीय छायादार पौधे, दक्षिण-पश्चिम दिशा (नैऋत्य कोण) में भारी तने या पत्ते वाले पौधे तथा उत्तर-पश्चिम दिशा (वायव्य कोण) में वायु को शुद्ध करने वाले पौधे लगाना शुभ एवं श्रेष्ठ रहता है.

रखरखाव

वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार, अगर घर, रेसिडेंशियल बिल्डिंग, ऑफिस में बोनसाई पौधे लगाने वाले हों तो बेहद जरूरी है कि पौधे को पर्याप्त खाद और सूरज की धूप मिलती रहे. ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों को विशेष देखरेख की आवश्यकता होती है. बोनसाई पौधों की समुचित वृद्धि के लिए इनमें सड़ने वाली रेशेदार वनस्पति, गिरे हुए कोमल पत्ते, नीम की खली, गोबर से बनी खाद का प्रयोग ही करना चाहिए. कीटनाशक दवाओं और रासायनिक खाद के प्रयोग से बचना चाहिए. सही देखरेख के साथ उचित दिशा में लगाए गए बोनसाई पौधे भवन में सकारात्मक ऊर्जा देते हैं. वास्तु दोषों का निवारण भी करते हैं.

वास्तु नियमों के अनुसार, घर और ऑफिस में अंगूर, अनार, केसर, नीम, आम, संतरा, सेब, चंदन, जयंती, गुड़हल, चंपा, तुलसी, बेल, अशोक, नीम, गुलाब, चमेली आदि के बोनसाई पौधे लगाए जा सकते हैं. जबकि भवन और उसके आस-पास कांटेयुक्त पेड़-पौधे, बेर, दूध निकलने वाले पौधे, कैथल, बरगद, पीपल, बांस, कैक्टस आदि लगाना अशुभ फलदायी होता है. इस तरह के बोनसाई पौधे न सिर्फ नकारात्मक ऊर्जा देते हैं, बल्कि कई तरह की समस्याओं जैसे आर्थिक अभाव, घरेलू विवाद, रोग आदि का कारण भी बनते हैं.

आज का राशिफल

मेष : आज पिता के स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। लाभ होगा।

वृषभ : आज कार्य की गति धीमी रह सकती है। आशंका-कुशंका के चलते मन अशांत रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन : जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह : आज कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रमाद न करें।

कन्या : मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है।

तुला : दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। वस्तु गुम हो सकती है।

धनु : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम के कार्य टालें।

मकर : विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दु:ख होगा।

कुंभ : समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें।

मीन : आज लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। राजकीय अवरोध दूर होंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सफेद बाल और जुएं कर रहे हैं परेशान, तो ट्राई करें ये 3 उपाय

सफेद बालों की समस्या ऐसी है, जो कभी 40-50 में आती थी. मगर अब यह समस्या कम उम्र के लोगों को भी हो रही है. इसके लिए लोग बालों में कलर या मेहंदी का इस्तेमाल करते हैं. इन चीजों का ज्यादा इस्तेमाल बालों को और भी ज्यादा डैमेज कर सकता है. छोटे बच्चों के सिर में जूएं होने की समस्या भी एक कॉमन परेशानी है, लेकिन बालों से जूएं हटाना काफी मुश्किल होता है. क्योंकि ये कुछ ही दिनों में पूरे बालों में फैल जाती हैं और अन्य लोगों तक भी पहुंच जाती हैं. डॉक्टर प्रियंका, एक फेमस इंफ्लूएंसर हैं, जो अपने इंस्टाग्राम पेज पर लोगों के साथ रोजमर्रा से जुड़े ऐसे ही हेल्दी टिप्स शेयर करती रहती हैं. जानते हैं जूओं और सफेद बालों की समस्या को लेकर वह क्या कहती हैं.

सफेद बालों के लिए क्या करें?

1.आलू का रस

जिन लोगों के बाल सफेद हैं या दाढ़ी-मूंछें भी सफेद हो रही हैं, उन्हें आलू के रस का इस्तेमाल करना चाहिए. इसके लिए आपको सबसे पहले हेयर वॉश करना है. शैंपू से बाल धोने के बाद आपको आलू के रस से बालों को धोना है. लगभग 10 मिनट तक बालों पर आलू का रस लगा रहने दें, इसके बाद सादे पानी से बाल धो लें. ध्यान रहे, शैंपू के बाद ही आलू का रस बालों में लगाना है. आलू का रस लगाने के बाद कभी भी शैंपू यूज नहीं करना है. इसे आप अपनी दाढ़ी-मूंछों पर भी लगा सकते हैं.

2.करी पत्ते का तेल

करी पत्ते को नारियल तेल में मिलाकर तब तक पकाना है, जब तक उसका रंग न बदल जाए. इस तेल को आप ज्यादा मात्रा में बनाकर भी रख सकते हैं. रात को इस तेल से बालों की मालिश करें. यह तेल सफेद बालों को काला करने और नए काले बालों की ग्रोथ में मदद करता है.

जूएं कैसे हटाएं?

3 नमक का पानी.

जूएं साफ करने के लिए आपको सिर्फ 1 चम्मच नमक को पानी में मिलाकर घोल तैयार कर लें. इस घोल से बालों को धोना चाहिए. इसे आपको इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले नॉर्मल तरीके से अपने बालों को वॉश करना है, इसके बाद लास्ट में नमक वाले पानी से बालों को धोना है. नमक के पानी से बाल धोने पर जूएं मर जाती हैं.

ऐसे चमकाएं तांबे के बर्तन

भारतीय रसोई में हर प्रकार के बर्तन होते हैं. जैसे- स्टील, पीतल, कांच और तांबे के बर्तन. यहां तांबे के बर्तनों की खास अहमियत है. इन बर्तनों का इस्तेमाल पूजा में किया जाता है. खासतौर पर सूर्य देव को जल अर्पित करने के लिए लोग तांबे के लोटे का इस्तेमाल करते हैं. तांबे के बर्तन में खाना खाना या तांबे के गिलास में पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है. तांबे के बर्तनों को लेकर एक समस्या है कि इन्हें नियमित रूप से साफ करना पड़ता है, नहीं तो ये काले पड़ने लगते हैं. हम आपको तांबे के बर्तनों को चमकाने का एक ऐसा तरीका बता रहे हैं जिससे पुराने से पुराने तांबे के काले बर्तन मिनटों में चमक उठेंगे. चलिए, जानते हैं इस नुस्खे के बारे में.

तांबे के बर्तन को साफ करने का सबसे जबरदस्त नुस्खा

इस नुस्खे की मदद से बर्तन साफ करने के लिए आपको सिर्फ 2 चीज चाहिए होंगी. 2 चम्मच नमक और आधा कप सफेद विनेगर. आपको इन दोनों चीजों को एकसाथ एक कटोरी में मिलाना है. अब जबतक नमक पूरी तरह से विनेगर में घुल न जाए, इसे लगातार चलाते रहें. इस मिक्सचर को घोलने में समय लगेगा, इसलिए धैर्य रखें. जब नमक इसमें पूरा घुल जाए तो समझ जाइए आपका घोल तैयार है.

बर्तनों को ऐसे चमकाएं

अब आपको नमक और विनेगर वाले घोल को कॉटन की मदद से साफ करना है. थोड़ी सी रूई लेकर मिश्रण में डुबोएं और फिर अपने गंदे बर्तनों को इससे रगड़ें, आप देखेंगे कि चुटकियों में आपके काले तांबे के बर्तन एकदम नए जैसे हो गए हैं. अगर बर्तन ज्यादा हैं तो आप इस घोल को ज्यादा मात्रा में बनाकर, उस घोल में ही सभी बर्तनों को डुबोकर कुछ मिनट के लिए रख दें. आपके बर्तन नए जैसे चमक उठेंगे. तांबे के बर्तन को साफ करने के लिए सिरके की जगह इमले के पानी या फिर नींबू के रस का भी इस्तेमाल किया जा सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

एएमयू कैंपस में रोककर प्रोफेसर को जान से मारने की धमकी, कई दिनों से हो रहा पीछा

अलीगढ़. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोग्राम डायरेक्टर को एक अज्ञात व्यक्ति ने जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने पहले उनका पीछा किया और फिर कैंपस के अंदर ही उन्हें रोक लिया। आरोपी ने प्रोफेसर को धमकाया और फिर कहा कि उन्हें जान से मार देगा। प्रोफेसर के मुताबिक आरोपी ने उन्हें छेड़छाड़ के झूठे मुकदमें में फंसाने की बात भी कही है। घटना के बाद पीड़ित प्रोफेसर ने जैसे तैसे खुद को आरोपी से बचाया और प्रॉक्टर को इस सारे मामले की सूचना दी। जिसके बाद सिविल लाइंस थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। एएमयू के सीईसी के प्रोग्राम डायरेक्टर मुजम्मिल हयात भवानी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी का नाम नासिर अली है। वह पिछले कई दिन से उनके कार्यालय के आसपास घूम रहा था। वह उनका पीछा भी करता था, लेकिन उन्होंने कभी उसकी ओर ध्यान नहीं दिया।

मायके से नहीं आई पत्नी तो पति ने जहर खाकर की आत्महत्या, पत्नी ने करवा रखा है केस

एटा. यूपी के एटा में मायके से पत्नी के न आने और आपस में विवाद होने के बाद पति ने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिवारीजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस को तहरीर का इंतजार है। थाना अवागढ़ के गांव वीरनगर हाल पता कोतवाली नगर के मोहल्ला आंबेडकनगर निवासी अजय प्रताप (36) पुत्र पीताबंर सिंह कचहरी रोड पर कैफे पर बैठता था। वर्ष 2011 में मलावन क्षेत्र की रहने वाली नीता से शादी हुई थी। जानकारी के अनुसार अजय शराब पीने के आदी थी। शराब के नशे में पत्नी की पिटाई कर दी थी। इसके बाद वह तीन बच्चों को साथ लेकर गांव गंगनपुर में किराये पर रहने लगी थी। शिकोहाबाद रोड पर ही ब्यूटी पार्लर चलाती है। बताया जा रहा है कि कई बाद पत्नी को बुलाने भी गए। शराब पीने के कारण वह साथ नहीं आती थी। इसके चलते वह परेशान रहते थे। रविवार रात को वह घर पर आया और घर पर आकर जहर खा लिया।

स्कूल से लौट रहे छात्र पर चाकू से किया हमला

प्रयागराज. संस्कार जैसे ही कोरांव-मांडा रोड मुख्यमार्ग पर सेमरी बाघराय गांव के सामने पहुंचा था कि पीछे से आए दो बाइक सवार लोगों ने उस पर चाकू से कई वार कर बुरी तरह घायल कर दिया। गले, सिर और पीठ सहित अन्य कई स्थानों पर चाकू मारे जाने से संस्कार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क के किनारे गिर गया और तड़पने लगा। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने जब यह देखा तो वे आए और तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस से उसे सीएचसी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया।

एनडीए में सीट बंटवारे के बाद भी सस्पेंस कायम

■ **गिरिराज सिंह ने चुपचाप चिराग के दावों पर उठाए सवाल**

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर एनडीए ने भले ही सीटों का बंटवारा कर लिया है लेकिन ऐसा लगता है कि असंतोष की लहर अभी भी कायम है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने इस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने नाम लिए बिना चिराग पासवान के दावों पर सवाल उठाए और पार्टी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का भी आरोप लगाया।इंडिया टीवी से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि सीटों के बंटवारे में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की जा रही है। उनका कहना था कि नेताओं को कार्यकर्ताओं की आवाज बनना जरूरी है। उन्होंने पूछा, "जहां हम पिछली बार 500 से 700 वोटों के अंतर से हारे थे, वह सीट दूसरे को दे दी जाए, क्या यह सही है?"

बिना नाम लिए चिराग पर साधा निशाना

इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर भी चिराग पासवान का नाम लिए बिना तंज कसा। उन्होंने लिखा, "आज मजबूत सीट लेकर स्ट्राइक रेट का झुनझुना बजा रहे हैं। 2010 में बिहार चुनाव में एनडीए ने 243 में से 206 सीटें जीतीं। जदयू ने 141 में से 115, बीजेपी ने 102 में से 91 सीटें जीतीं। स्ट्राइक रेट 81% और 89% थी। तब भी धर्मेंद्र प्रधान प्रभारी थे और आज भी हैं।"

बिहार चुनाव 2025 की ताज़ा ख़बरों के लिए यहां क्लिक करें।

दरअसल, इस बार सीट बंटवारे के दौरान चिराग पासवान ने अपनी पार्टी के लोकसभा चुनाव प्रदर्शन और स्ट्राइक रेट का हवाला देकर दबाव बनाया और 29 सीटें हासिल कर लीं। इसके चलते बीजेपी और जदयू को पिछली बार से भी कम सीटों पर चुनाव लड़ना पड़ रहा है। अंतिम बंटवारे के अनुसार, बीजेपी 101, जदयू 101, एलजेपी 29, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा 6 और राष्ट्रीय लोकमोर्चा 6 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। फिलहाल उम्मीदवारों के नाम का ऐलान नहीं हुआ है मगर कुछ नेता अपना अपना नामांकर कर रहे हैं।

नीतीश के घर के बाहर धरने पर विधायक गोपाल मंडल

■ **टिकट कटने का डर**

पटना. अक्सर ही चर्चा में रहने वाले जनता दल यूनाइटेड के विधायक गोपाल मंडल एक बार फिर चर्चा में हैं। हालांकि, इस बार उनके चर्चा में रहने की वजह थोड़ी अलग है। गोपाल मंडल पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। दरअसल इस बात की अटकलें हैं कि जदयू भागलपुर के गोपालपुर से विधायक गोपाल मंडल का टिकट काट सकती है। ऐसे में अब गोपाल मंडल टिकट दिए जाने की जिद पकड़ कर सीएम आवास के बाहर ही बैठ गए हैं। वो यहां लगातार कह रहे हैं कि उन्हें सीएम नीतीश कुमार से मिलना है, हालांकि, उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नहीं हो पाई है।

गोपाल मंडल अपने समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर पहुंचे। यहां गोपाल मंडल ने समर्थकों के बीच कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उन्हें जदयू से टिकट मिलेगी। गोपाल मंडल ने कहा कि कुछ लोग उनका टिकट काटने की साजिश रच रहे हैं। इसलिए वो नीतीश कुमार से मिलकर अपनी बात रखना चाहते हैं। लेकिन जब सीएम नीतीश से वो नहीं मिल सके तब वो वहीं धरने पर बैठ गए।

गोपाल मंडल ने कहा कि वो सीएम आवास के बाहर मौजूद हैं इसकी जानकारी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दे दी गई है। वो यहां से अब टिकट लेकर ही वापस जाएंगे और जब तक उन्हें टिकट नहीं मिलता वो यहीं पर धरना देंगे। गोपाल मंडल ने कहा कि वो सुबह साढ़े आठ बजे से सीएम आवास के बाहर खड़े हैं। गोपाल मंडल कद्दावर नेता हैं लेकिन यह लोग समझे तब तो। गोपाल मंडल का टिकट कटने की अटकलों को उनके साथ मौजूद समर्थकों ने नकार दिया और उनके समर्थन में नारे भी लगाए।

गोपाल मंडल ने कहा कि लाठी का प्रहार उनपर होगा तब ही वो हटेंगे। गोपाल मंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री उनसे नहीं मिल रहे हैं। गोपाल मंडल ने कहा कि वो यहीं बैठेंगे। विधायक ने यह भी कहा कि वो नीतीश कुमार से नाराज नहीं हैं लेकिन बड़े नेताओं से नाराज हैं। हालांकि, विधायक गोपाल मंडल ने किसी भी नेता का नाम नहीं लिया।

कफ सिरप लिखने के 10% कमीशन लेते थे डॉक्टर सोनी

■ **पुलिस का बड़ा दावा**

छिंदवाड़ा. मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कफ सिरप लिखने वाले डॉक्टर को लेकर पुलिस ने कोर्ट में बड़ा दावा किया है। पुलिस ने सत्र न्यायालय में बताया कि डॉक्टर प्रवीण सोनी कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली दवा कंपनी से 10 फीसदी का कमीशन लेते थे। तमिलनाडु की श्रीसन फार्मास्यूटिकल कंपनी यह कफ सिरप बनाती थी जिसका लाइसेंस राज्य सरकार ने कैंसल कर दिया है और कंपनी पर ताला लटक गया है।

छिंदवाड़ा कोर्ट ने डॉक्टर सोनी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सोनी ने स्वास्थ्य विज्ञान महानिदेशालय की गाइडलाइन्स का उल्लंघन करते हुए 4 साल से कम के बच्चों के लिए यह दवा लिखी थी। कोर्ट ने कहा कि अभी मौतों की जांच भी नहीं हो पाई है और आरोपियों के खिलाफ आरोप काफी गंभीर हैं।

श्रीसन फार्मा के मालिक भी हो चुके हैं गिरफ्तार

श्रीसन फार्मा के मालिक जी रंगनाथन (75) को 10 अक्टूबर को मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम ने तमिलनाडु पुलिस के सहयोग से चेन्नई के अशोक नगर इलाके में एक ठिकाने से गिरफ्तार किया था।

ईडी के सूत्रों ने कहा कि एजेंसी ने अपनी जांच और वर्तमान तलाशी शुरू करने के लिए दो प्राथमिकियों को संज्ञान में लिया था। पहला मामला कफ सिरप से हुई मौतों के बाद मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था.

इस्तीफा स्वीकार नहीं पर कांग्रेस में शामिल हुए गोपीनाथन

■ **IAS अधिकारियों के लिए क्या हैं राजनीति के नियम**

AGMUT यानी अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के कन्नन गोपीनाथन कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। खास बात है कि वह साल 2019 में ही पद से इस्तीफा दे चुके हैं, लेकिन अब तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। ऐसे में उनकी नौकरी को लेकर स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। अब सवाल है कि इसे लेकर नियम क्या कहते हैं। गोपीनाथन ने आर्टिकल 370 हटाए जाने के विरोध में इस्तीफा दे दिया था।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, DoPT यानी कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की रिकॉर्ड शीट में अब भी वह सेवा में हैं। 21 नवंबर 2023 को आखिरी बार अपडेट हुए रिकॉर्ड के अनुसार, वह दादर और नगर हवेली में पावर डेवलपमेंट सेक्रेटरी के तौर पर पदस्थ हैं। हालांकि, इसे लेकर विभाग की तरफ से आधिकारिक

रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अखबार से बातचीत में गोपीनाथन ने कहा था, 'मुझे इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बारे में पुष्टि नहीं मिली है। मुझे नहीं पता कि सरकार की मंशा क्या है, लेकिन 6 साल से इस्तीफा लंबित रखना उत्पीड़न है और मेरी विश्वसनीयता खराब करने का प्रयास है। इसने मुझे औपचारिक रूप से आगे बढ़ने से रोक रखा है।' उन्होंने कहा, 'वो और क्या अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकते हैं। मैंने पहले ही इस्तीफा दे दिया है।'

क्या हैं नियम...

रिपोर्ट के अनुसार, नियम कहते हैं कि सरकारी कर्मचारी राजनीतिक दल में शामिल या चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। सेंट्रल सिविल सर्विसेज (कंडक्ट) रूल्स 1964 के नियम 5 के हवाले से बताया गया है, 'कोई भी सरकारी कर्मचारी राजनीति में भाग लेने वाले किसी भी दल संगठन से जुड़ा नहीं होगा। और वह राजनीति में भाग भी नहीं लेगा और वह राजनीतिक आंदोलन या गतिविधि में चंदा या किसी तरह से सहायता नहीं करेगा।'

तालिबानी मंत्री के भारत में स्वागत पर भड़के जावेद अख्तर

■ **दारुल उलूम देवबंद को भी खूब सुनाया**

मुंबई. गीतकार जावेद अख्तर ने तालिबानी नेता आमिर खान मुत्ताकी का गर्मजोशी से स्वागत किए जाने पर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने भारत सरकार की ओर से अफगान तालिबान के विदेश मंत्री को मिले रिसेप्शन पर ऐतराज जताते हुए कहा कि यह देखते हुए मेरा तो सिर शर्म से झुक गया। उन्होंने कहा कि यह स्वागत उन लोगों ने किया है, जो हर तरह के आतंकवाद की आलोचना करने की बात करते हैं। आमिर खान मुत्ताकी फिलहाल 6 दिनों के भारत दौरे पर हैं। 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता संभाली थी और तब से यह पहला मौका है, जब किसी अफगान सरकार के किसी प्रतिनिधि ने भारत का दौरा किया है।

जावेद अख्तर ने एक्स पर लिखा, 'दुनिया के सबसे खूंखार आतंकवादी समूह तालिबान के प्रतिनिधि को हर तरह के आतंकवादियों के ख़िलाफ़ मंच पर बोलने वालों द्वारा दिए गए सम्मान और स्वागत को देखकर मेरा सिर शर्म से झुक गया। देवबंद को भी शर्म आनी चाहिए कि उसने अपने 'इस्लामिक हीरो' इस तरह से स्वागत किया। यह ध्यान रखना चाहिए कि तालिबान उन लोगों में से एक है, जिन्होंने लड़कियों की शिक्षा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मेरे भारतीय भाइयों और बहनों! हमारे साथ क्या हो रहा है?'

एक यूजर ने पूछ लिया- आप पाकिस्तान क्यों गए थे?

उनकी इस बात का कई लोगों ने स्वागत किया है तो कुछ ने सवाल भी उठाए हैं। एक्स पर एक यूजर ने लिखा है कि आप तो पाकिस्तान जाकर सेलिब्रेशन तक करते हैं, जिसने भारत में आतंकवाद फैलाया था। उमर अब्बास हयात नाम के यूजर ने लिखा, 'आप पाकिस्तान में क्या कर रहे थे, जबकि पाकिस्तान ने हमारे ऊपर 26/11 हमला किया और पुलवामा अटैक कराया? सेलिब्रेशन कर रहे थे ना? अब जब भारत अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल कर रहा है तो आपको क्या परेशानी है।'वहीं कुछ लोगों ने तालिबानी नेता के स्वागत पर सवाल उठाए हैं और जावेद अख्तर की बात की प्रशंसा की है। बता दें कि तालिबान के नेता ने देवबंद का भी दौरा किया था और वहां उनका काफी गर्मजोशी के साथ स्वागत हुआ था।

मां ने तकिए से गला घोंटकर 2 साल के जुड़वां बच्चों को मार डाला, फिर खुद बिल्डिंग से कूद गई नीचे

हैदराबाद. तेलंगाना के हैदराबाद में एक महिला ने मंगलवार तड़के अपने जुड़वां बच्चों की हत्या कर दी। इसके बाद तीन मंजिला इमारत से कूदकर उसने सुसाइड कर लिया।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान 27 वर्षीय चल्लारी साई लक्ष्मी और उसके 2 साल के जुड़वां बच्चे चेतन कार्तिकेय और लश्याथा वल्ली के रूप में हुई है। यह परिवार बालानगर पुलिस थाना क्षेत्र के पद्मराव नगर फेज-1 में रहता था। लक्ष्मी और उनके पति अनिल आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के नुजिवीडू निवासी हैं। वे पद्मराव नगर में किराए के मकान में रहते थे।

शुरुआती जांच से पता चला कि साई लक्ष्मी ने सुबह लगभग 4 बजे इमारत से कूदकर आत्महत्या की। इससे पहले, उसने अपने जुड़वां बच्चों का तकिए से गला घोंटकर मार दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। उन्हें शक है कि घरेलू कलह के कारण उसने यह कदम उठाया होगा। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। लक्ष्मी के पिता को हिरासत में लेने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

सुशांत सिंह राजपूत के जीजा ओपी सिंह बने हरियाणा के DGP

आईपीएस अधिकारी वाई पूरन सिंह की खुदकुशी मामले में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को रातोंरात छुट्टी पर भेज दिया गया है। वहीं उनकी जगह पर एडीजीपी रैंक के सीनियर आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। ओपी सिंह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के जीजा हैं। वह हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन और एफएसएल मधुबन के निदेशक का कार्यभार संभाल रहे थे। अब उन्हें अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पुलिस ने इस मामले में डीजीपी समेत उन सभी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है जिनके नाम सुसाइड नोट में लिखे थे। गौरतलब है कि वाई.पूरन कुमार 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और रोहतक के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) के पद पर तैनात थे।

टीम इंडिया का 2-0 से क्लीन स्वीप

■ **दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया**

■ **कप्तान गिल ने पहली टेस्ट सीरीज जीती**

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। टीम ने मंगलवार को दूसरे टेस्ट में इंडीज को 7 विकेट से हराया। भारत ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दिल्ली टेस्ट में भारत को 121 रन का टारगेट मिला था, जिसे भारत ने तीन विकेट पर हासिल कर लिया। केएल राहुल ने चौका लगाकर जीत दिलाई। वे 58 रन बनाकर नाबाद लौटे। शुभमन गिल ने बतौर कप्तान पहली टेस्ट सीरीज जीती है।

एक दिन पहले फॉलो ऑन खेल रही वेस्टइंडीज दूसरी पारी में 390 रन पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में भारत ने 518 और वेस्टइंडीज ने 248 रन बनाए। भारत को पहली पारी में 270 रन की बढ़त मिली थी। भारत की पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 129 और यशस्वी जायसवाल ने 175 रन बनाए।

भारत WTC पॉइंट्स टेबल में नंबर-3 पर

वेस्टइंडीज से जीतने के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2025-27 सीजन की पॉइंट्स टेबल में नंबर-3 पर कायम है। टीम की स्थिति में बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले भारत ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। इस सीरीज का एक मैच ड्रॉ रहा था। इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के पास 55 .56% पॉइंट हैं। टीम ने 7 में से 4 मैच जीते हैं और 2 मुकाबले हारे हैं। एक मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत को 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने घर में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

60% पदों पर तो आपका ही कब्जा, फिर भी मांग रहे आरक्षण

■ **भावी CJI ने क्यों और किससे दागे सवाल?**

नई दिल्ली. देश के भावी मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ (सोमवार, 13 अक्टूबर को) उस अर्जी पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें महिला वकीलों के लिए कोर्ट परिसर में वरीयता के आधार पर चैम्बर आवंटन में आरक्षण देने की मांग की गई थी। भक्ति पसरीजा एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य के मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि देश की न्यायिक सेवा में जब करीब 60 फीसदी पदों पर बिना किसी आरक्षण के महिलाएं काबिज हैं तो चैंबर आवंटन में उन्हें आरक्षण की क्या दरकार है?

जस्टिस सूर्यकांत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, 'हमारी न्यायिक सेवा में लगभग 60% अधिकारी महिलाएँ हैं। वे बिना किसी आरक्षण के ही उन पदों पर पहुंची हैं। उन्हें कोई वरीयता नहीं दी जाती। यह पूरी तरह से योग्यता के आधार पर है... इसलिए मुझे यह थोड़ा विरोधाभासी लगता है कि

आप किसी विशेषाधिकार की माँग क्यों करते हैं। अगर हम चैंबरों के मामले में, उदाहरण के लिए, वरीयता के आधार पर आवंटन (preferential allotment) देने के बारे में सोचते हैं, तो हमें विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के बारे में भी सोचना होगा,क्योंकि हम कानूनी पेशे में उनका तहे दिल से स्वागत करते हैं।'

चैंबरों की अवधारणा को ही खत्म कर देना चाहिए

इसके साथ ही जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'चैंबरों की अवधारणा को ही खत्म कर देना चाहिए। हमारे पास सिर्फ कार्यस्थल होने चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट में एक नई बिल्डिंग बन रही है, जहां हम महिलाओं के लिए अलग बार रूम, पदाधिकारियों के कमरे, अलग कैंटीन, पुस्तकालय और सभी बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखने की कोशिश कर रहे हैं। जस्टिल कांत ने कहा कि उस नई बिल्डिंग में विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए एस्केलेटर आदि सुविधाओं की भी व्यवस्था की जाएगी जो अगले 50 सालों तक की जरूरतें पूरी करेंगे।

लैंगिक-संवेदनशील नीति के लिए केंद्र को नोटिस

हालांकि, जस्टिस सूर्यकांत ने याचिका पर सवाल उठाने के बावजूद देश भर की विभिन्न अदालतों और बार एसोसिएशनों में महिला वकीलों को पेशेवर चैंबर/केबिन आवंटित करने के लिए समान और लैंगिक-संवेदनशील नीति तैयार करने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर दिया। इस याचिका में भविष्य के आवंटनों में महिला वकीलों के लिए चैंबर या केबिन में आरक्षण या वरीयता देने की मांग की गई है।

पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग में 250 की मौत का दावा

■ **गाजा पीस डील के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे; 1500 लोग घायल**

पाकिस्तान में गाजा पीस प्लान को समर्थन देने के खिलाफ पिछले पांच दिनों से प्रदर्शन जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक (TLP) ने दावा किया है कि पुलिस की फायरिंग में अब तक उनके 250 से ज्यादा कार्यकर्ता और नेता मारे गए हैं, जबकि 1,500 से अधिक घायल हुए हैं।

दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने ट्रम्प के पीस प्लान का समर्थन किया है। इसे लेकर कई पार्टियां नाराज हैं। TLP चीफ साद हुसैन

रिजवी विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने सरकार विरोधी, गाजा समर्थक और इजराइल विरोधी अभियान के तहत लाहौर से इस्लामाबाद तक लंबा मार्च किया।

मार्च के दौरान रिजवी को भी 3 गोली लगी है। पार्टी के प्रवक्ता के मुताबिक, रिजवी की हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें पास के एक मेडिकल सेंटर ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना कहां हुई या कितने लोग मरे हैं, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। TLP प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी पंजाब के कई हिस्सों में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और झड़पें जारी हैं।

2 पुलिस अधिकारियों की भी मौत

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सुरक्षा बलों और तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (TLP) के प्रदर्शनकारियों के बीच सोमवार को हिंसक झड़पें हुईं। इसमें 2 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई और दर्जनों दूसरे अधिकारी घायल हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन रात 2 बजे शुरू हुआ और सुबह 7 बजे तक चला।

मुरीदके में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की। पाकिस्तान रेंजर्स सहित सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने कई जगहों पर कैंप लगाए थे, लेकिन भारी बैरिकेडिंग के बावजूद हिंसा भड़क उठी।

पुलिस ने शनिवार को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान 170 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सुरक्षा बलों ने उनके खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल किया। यहां मीडिया कवरेज भी बैन है।

सूरत के स्कूल में नॉनवेज पार्टी पर प्रिंसिपल को नोटिस

■ **मां सरस्वती की मूर्ति ढंककर चिकन-मटन परोसा गया**

सूरत. गुजरात के सूरत में गोडादरा स्थित शिक्षण समिति के स्कूल में नॉनवेज परोसने पर विवाद हो गया है। यह कार्यक्रम 1987 से 1991 के बीच स्कूल में पढ़े तेलुगु समाज के छात्रों ने रखा था। इस दौरान पूर्व छात्रों (एल्युमिनाई) ने स्कूल कैंपस में लगी मां सरस्वती की मूर्ति को चुनरी से ढंक दिया।

इसके कार्यक्रम शुरू किया गया और चिकन और मटन परोसा गया। यह कार्यक्रम 12 सितंबर को हुआ। इसमें स्कूल के प्रिंसिपल भी मौजूद थे। जब मीडिया स्कूल पहुंचा तो शिक्षक और स्टाफ फरार हो गए। स्कूल चौकीदार ने कहा कि सभी लोग सुबह आए थे, कार्यक्रम दोपहर में हुआ। ये स्कूल सूरत नगर निगम की शिक्षा समिति का है। 1987 से 1991 तक के कक्षा 7 के छात्रों का एक मिलन समारोह आयोजित किया गया था। ये सभी पूर्व छात्र 38 साल बाद स्कूल में एकत्र हुए और उसी के चलते मिलन समारोह रखा गया था। कार्यक्रम में प्रिंसिपल भी मौजूद थे। शिक्षण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कपाड़िया और प्रवक्ता विनोद गजेरा ने कहा कि उनकी बात प्रिंसिपल से हुई है। प्रिंसिपल ने गलती मान ली है। उन्होंने बताया कि कल इस मामले पर समिति की बैठक होगी, जिसमें पूरी जांच की जाएगी और उसके बाद प्रिंसिपल के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप...

जलापूर्ति बंद

ठाणे. 15 अक्टूबर को कुछ हिस्सों में पानी की आपूर्ति नहीं होगी. ठाणे महानगर पालिका (TMC) ने अपनी जल आपूर्ति प्रणाली के पाइस और टेमघर जल उपचार संयंत्रों में आवश्यक रखरखाव कार्य की योजना बनाई है, जिसमें उच्च दाब सबस्टेशन की मरम्मत, नियंत्रण पैनल का रखरखाव, ट्रांसफार्मर तेल निस्पंदन और अन्य आवश्यक कार्य शामिल हैं। परिणामस्वरूप बुधवार को सुबह 9:00 बजे से रात 9:00 बजे तक आंतरिक जल आपूर्ति प्रणाली का 12 घंटे का बंद निर्धारित है।

महाराष्ट्र में होगा बड़ा उलटफेर

- **BJP ने निकाय चुनाव के लिए बदला प्लान**
- **MVA की बढ़ेगी टेंशन**

मुंबई. महाराष्ट्र में होने वाले आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी चुनावी रणनीति को नया रूप देना शुरू कर दिया है. इसी कड़ी में कोंकण और ठाणे संभाग के वरिष्ठ नेताओं की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें पार्टी की तैयारियों और संभावित गठबंधन समीकरणों पर विस्तार से चर्चा हुई.

बैठक में 'महायुति या आत्मनिर्भरता' के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श हुआ. सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी ने अब नए और प्रभावशाली नेताओं के लिए पार्टी के दरवाजे खोलने का फैसला किया है. आने वाले दिनों में राजनीतिक पटल पर बड़े उलटफेर देखने को मिल सकते हैं.

बीजेपी से जुड़े अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अगर महाविकास अघाड़ी (MVA) के किसी प्रभावशाली स्थानीय नेता की बीजेपी में शामिल होने की इच्छा है, तो उसे खुले तौर पर पार्टी में शामिल किया जाए. हालांकि, यह भी तय किया गया है कि दूसरे दलों

से आने वालों की एंट्री से स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए.

बैठक में बीजेपी ने स्थानीय निकाय चुनावों को 'मिनी विधानसभा चुनाव' के तौर पर देखते हुए रणनीति तैयार की. पार्टी का लक्ष्य है कि हर जिले में अपनी संगठनात्मक ताकत को बढ़ाया जाए और स्थानीय स्तर पर नेताओं की 'आवक' के जरिये पार्टी को और मजबूत किया जाए.

सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में वसई-विरार, नवी मुंबई, ठाणे और सिंधुदुर्ग जैसे इलाकों में बड़े पैमाने पर नेता और कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल हो सकते हैं. इस प्रक्रिया से महाविकास अघाड़ी के स्थानीय समीकरणों पर सीधा असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है. राज्य भर में दलबदल की बढ़ती गतिविधियों के बीच यह साफ संकेत मिल रहा है कि स्थानीय निकाय चुनावों की जंग अब और तेज़ होने वाली है.

एलफिंस्टन ब्रिज ढहने की कगार पर

- **शिवरी-वर्ली कनेक्टर के लिए रास्ता साफ**

मुंबई. सेंट्रल मुंबई का प्रसिद्ध और 125 साल पुराना एलफिंस्टन रोड ओवरब्रिज अब इतिहास बनने की ओर है. परेल और प्रभादेवी को जोड़ने वाला यह पुल, जो कभी औद्योगिक मुंबई की पहचान हुआ करता था, 12 सितंबर 2025 को स्थायी रूप से बंद कर दिया गया. बीएमसी और एमएमआरडीए की टीमों ने खुदाई और विध्वंस की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

यह पुल ब्रिटिश काल में बनाया गया था और लंबे समय तक मुंबई के सेंट्रल उपनगरों को जोड़ने का अहम जरिया रहा. परेल, प्रभादेवी और लोअर परेल जैसे इलाकों में

रोज़ लाखों लोगों की आवाजाही इसी ब्रिज से होती थी. हालांकि, बढ़ते ट्रैफिक दबाव, पुराने ढांचे और नई शहरी परियोजनाओं की ज़रूरतों के चलते इसे अब हटाया जा रहा है. एलफिंस्टन ब्रिज को तोड़कर सेवरी-वर्ली एलिवेटेड कनेक्टर के लिए रास्ता तैयार किया जा रहा है — यह नया कनेक्टर बांद्रा-वर्ली सी लिंक और मुंबई कोस्टल रोड को सीधे मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक (अटल सेतु) से जोड़ेगा. यह प्रोजेक्ट दक्षिण और पूर्वी मुंबई के बीच यात्रा समय को कम करने में बड़ी भूमिका निभाएगा.

विध्वंस कार्य के दौरान आसपास के इलाकों में ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है, जिससे स्थानीय लोगों को कुछ असुविधा हो रही है. वहीं, कई पुराने मुंबईकरों ने सोशल मीडिया पर एलफिंस्टन ब्रिज से जुड़ी अपनी यादें साझा की हैं. किसी के लिए यह बचपन के सफ़र की याद है, तो किसी के लिए ऑफिस जाने का रोज़ का रास्ता. इतिहास और आधुनिकता के इस संगम में एलफिंस्टन ब्रिज का अंत मुंबई के शहरी विकास की नई शुरुआत का प्रतीक बन गया है.

राजमाता जिजाऊ उद्यान का होगा कायाकल्प

- **विधायक केलकर ने मनपा आयुक्त से की मुलाकात**

ठाणे. विधायक संजय केलकर ने मनपा आयुक्त सौरभ राव से मुलाकात की और हीरानंदानी स्थित राजमाता जिजाऊ उद्यान के जीर्णोद्धार और सुविधाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य एडवोकेट निरंजन डावखरे भी उनके साथ उपस्थित थे।राज्य सरकार ने राजमाता जिजाऊ उद्यान के लिए चार करोड़ रुपये की निधि स्वीकृत की है और इसका जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर है।

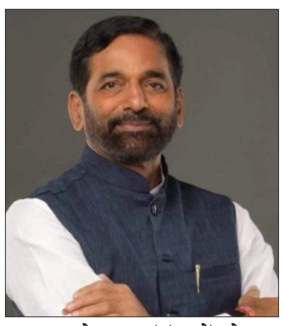

आयुक्त ने इस संबंध में योजना प्रस्तुत की।इस अवसर पर केलकर ने कई सुझाव दिए। सांसदों और विधायकों की निधि का उपयोग कई उद्यानों के जीर्णोद्धार या निर्माण के लिए किया जाता है, लेकिन समय के साथ उपेक्षा के कारण ये उद्यान जीर्ण-शीर्ण हो जाते हैं।इससे बचने के लिए, गैर-सरकारी संगठनों को उद्यानों की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए और नगर निगम को उद्यानों के रखरखाव के लिए वित्तीय प्रावधान करना चाहिए, श्री केलकर ने सुझाव दिया।आयुक्त ने इस बात पर सहमति जताई कि राजमाता जिजाऊ उद्यान में फिलहाल जिजाऊ का तैलचित्र स्थापित किया जाए और भविष्य में स्वीकृति मिलने पर प्रतिमा भी स्थापित की जाए।कुछ दिन पहले, उद्यान विभाग द्वारा इस उद्यान में राजमाता जिजाऊ उद्यान नाम की पट्टिका हटाए जाने पर मराठा समुदाय आक्रामक हो गया था। केलकर ने बताया कि आयुक्त ने मराठा प्रदर्शनकारियों की मांग पर पट्टिका पुनः स्थापित करने पर सहमति जताई।विधायक केलकर ने पत्रकारों से बातचीत में अधिकारियों के भ्रष्ट प्रशासन की आलोचना की। हर बार जागरूक नागरिकों को अनधिकृत निर्माणों को गिराने के लिए अदालत जाना पड़ता है, अदालत के आदेश के बाद ही कार्रवाई होती है। यह मामला अपमानजनक है। प्रशासन को समय रहते कार्रवाई करनी चाहिए। केलकर ने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा केवल चुनाव आने पर विरोध करने के बजाय, पूरे वर्ष नागरिकों की सुविधा के लिए सक्रिय रहती है और भ्रष्टाचार पर आंसू बहाती है।

अपनी साइकिल लेकर मेट्रो में यात्रा कर सकते हैं यात्री

मुंबई. मेट्रो ने हाल ही में एक नई और पर्यावरण के अनुकूल पहल की घोषणा की है। पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए यात्रियों को बड़ी सुविधा दी गई है। अब यात्री अपनी साइकिल लेकर मेट्रो में यात्रा कर सकते हैं। यह सुविधा शहर में हरित और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी। इस पहल के तहत, यात्री अपने साइकिल को निर्धारित स्थानों पर सुरक्षित तरीके से मेट्रो डिब्बों में ले जा सकते हैं। इससे न केवल यात्रियों को यात्रा में अधिक लचीलापन मिलेगा,

बल्कि पर्यावरणीय लाभ भी होंगे। कार्बन उत्सर्जन में कमी और ट्रैफिक जाम को कम करने के दृष्टिकोण से यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा।

- विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई जैसे बड़े शहर में इस तरह की पहल से लोगों की परिवहन आदतों में सकारात्मक बदलाव आएगा।
- विदेशों में यात्रियों को मेट्रो में साइकिल ले जाने की अनुमति होती है। विशेषज्ञों की राय है कि यह पहल न सिर्फ पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देती है।
- लोग कम दूरी की यात्रा साइकिल के माध्यम से कर सकते हैं और लंबी दूरी के लिए मेट्रो का उपयोग कर सकते हैं।

मेट्रो में साइकिल ले जाने के लिए होंगे कुछ नियम

हालांकि, मेट्रो अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया है कि साइकिल लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कुछ नियम और समय सीमाएं लागू होंगी। दूसरे यात्रियों को असुविधा न हो इसका ध्यान रखा जा रहा है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस नई सुविधा का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें। यह पहल मुंबई मेट्रो को अन्य महानगरों में पर्यावरणीय जागरूकता के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करती है। इससे यह संदेश जाता है कि सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से हरित और टिकाऊ भविष्य की ओर कदम बढ़ाया जा सकता है।

SST कॉलेज के खेल मैदान पर उल्हासनगर मनपा द्वारा आयोजित

जिला स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का सफल आयोजन

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका और एस.एस.टी. कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में उल्हासनगर जिला स्तरीय अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग की बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का आयोजन एस.एस.टी. कॉलेज के खेल मैदान पर सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस स्पर्धा में 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक और बालिका – दोनों समूहों में प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिनभर चले रोमांचक मुकाबलों में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कॉलेज प्रबंधन, संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी, खेल निदेशक प्रो. राहुल अकुल, प्रो. पुष्कर पवार और उपप्राचार्य प्रो. जीवन विचारे का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही, पुष्कर पवार और प्रेम जराड द्वारा प्रतियोगिता के नियोजन और समन्वय में स्वयंसेवकों के परिश्रम के कारण यह प्रतियोगिता अत्यंत सफल रही।

इस प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में खेल भावना, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हुई। एस.एस.टी. कॉलेज के इस सफल आयोजन की सर्वत्र सराहना की जा रही है।

जानलेवा हमले के आरोपी को 7 साल के कारावास की सजा

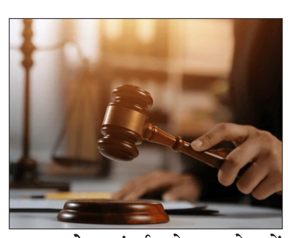

ठाणे. मुंबई के ठाणे में अदालत ने एक व्यक्ति को 7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उसे जानलेवा हमले का दोषी पाया है, जिसके बाद यह सजा सुनाई गई है।

यह मामला 10 फरवरी 2020 का है। आपसी रंजिश के चलते 23 वर्षीय आकाश शुकलाल भोये ने सुमित विष्णु गवित पर खतरनाक हमला किया था। महाराष्ट्र के ठाणे में एक मंदिर के मुख्य द्वार पर ही हमले को अंजाम दिया गया था।

क्या था पूरा मामला?

इस हमले में आकाश ने समित पर चाकू से हमला किया था, जिससे सुमित बुरी तरह घायल हो गया था। उसके सिर, सीने और पीठ पर चाकू के गहरे घाव थे, जिससे वो पूरी तरह लहूलुहान हो गया था। हालांकि, अस्पताल में इलाज के दौरान सुमित की जान बच गई। वर्तकनगर पुलिस ने मामले पर केस दर्ज किया था।

मुख्य आरोपी समेत 3 को मिली सजा

वहीं, अब 5 साल बाद मामले पर कोर्ट का फैसला आया है। सेशन जज एस बी अग्रवाल ने समित की मेडिकल रिपोर्ट और आकाश के पास धारदार हथियार मिलने के आधार पर सभी आरोपों को सही माना है। अदालत ने 10 अक्टूबर को आकाश को 7 साल के कठोर कारावास में भेजने का फैसला सुनाया है। साथ ही आकाश का साथ देने वाले 2 अन्य आरोपियों को भी सजा दी गई है।

देना होगा 1 लाख रुपये का जुर्माना

फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि 6 महीने पहले हुई लड़ाई के आधार पर यह हमला किया गया। इसलिए भोये को 7 साल के कठोर कारावास के साथ 1 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई जाती है। वहीं, जुर्माने की यह राशि पीड़ित को दी जाएगी।

4.19 लाख रुपये की बिजली चोरी, केस दर्ज

ठाणे. ठाणे पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक व्यक्ति के खिलाफ 4.19 लाख रुपये मूल्य की बिजली चोरी करने का मामला दर्ज किया है. अधिकारियों ने सोमवार, 13 अक्टूबर को यह जानकारी दी. एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार निजी बिजली आपूर्ति कंपनी की सतर्कता टीम ने 10 अक्टूबर को मुंब्रा इलाके के कौसा में आरोपी के परिसर का निरीक्षण किया.

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों के अनुसार, जाँच के दौरान अधिकारियों को चोरी का पता चला और कानून के अनुसार आगे की कार्यवाही की गई. बिजली चोरी के बारे में बात करते हुए, मुंब्रा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि, 38 वर्षीय निवासी पर बिजली मीटर को बायपास करके लगभग एक साल तक अवैध रूप से बिजली खींचने का संदेह है, जिसके परिणामस्वरूप 4,19,552 रुपये मूल्य की 18,214 यूनिट बिजली चोरी हुई. अधिकारी ने आगे कहा कि, ₹बिजली कंपनी की शिकायत के आधार पर, निवासी के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है.

रईस हाईस्कूल में अभिजात मराठी भाषा सप्ताह का आयोजन

भिवंडी. रईस हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज,भिवंडी में अभिजात मराठी भाषा सप्ताह महाराष्ट्र शासन के उपक्रम के अंतर्गत उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया. मराठी भाषा के संरक्षण और संवर्धन हेतु विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

छात्रों में भाषाई कौशल विकसित करने के लिए शुद्धलेखन प्रतियोगिता, वक्तृत्व प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, घोषवाक्य लेखन(पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता), साथ ही परिसंवाद और मराठी विषय के विशेषज्ञ फारुख शेख सर का व्याख्यान जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए.

छात्रों ने सभी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य जियाउर्रहमान अन्सारी सर,उप-प्रधानाचार्य मुखलीस मदु,पर्यवेक्षक सिबतेन कशेलकर और असरार पठान के मार्गदर्शन में किया गया.मराठी विषय के शिक्षक सलीम शेख, अल्ताफ शेख,और अय्युब शेख ने छात्रों को योजनाबद्ध तरीके से मार्गदर्शन देकर भाषा के प्रति प्रेम और रुचि को बढ़ावा दिया. पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए.छात्रों और शिक्षकों का उत्साह कार्यक्रम को अभूतपूर्व सफलता प्रदान की.

मस्जिद में जूते पहनने के आरोप पर भड़कीं सोनाक्षी

- **ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब**
- **बोलीं- ध्यान से देखो हम मस्जिद के बाहर हैं**

सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में अपने पति जहीर इकबाल के साथ अबू धाबी गई थीं। इसकी कुछ तस्वीरें एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीं। इन फोटोज में दोनों मस्जिद के बाहर जूते पहने नजर आ रहे हैं। ऐसे में उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। हालांकि, एक्ट्रेस ने इस मामले में अपना रिएक्शन भी दिया है।

दरअसल, सोनाक्षी सिन्हा ने ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में वह अपने पति जहीर इकबाल के साथ मस्जिद में घूमती नजर आ रही हैं। वहीं, एक वीडियो में सोनाक्षी और जहीर दोनों ने जूते पहने हुए हैं।

ऐसे में यूजर्स ने तस्वीरों को लेकर सवाल उठाए हैं। एक ने लिखा जूते पहनकर मस्जिद में जाना बहुत बड़ा गुनाह है। इस ट्रोलिंग पर सोनाक्षी सिन्हा ने भी करारा जवाब दिया। उन्होंने लिखा, इसलिए तो जूतों के साथ अंदर नहीं गए। ध्यान से देखो, हम मस्जिद के बाहर ही हैं। अंदर जाने से पहले उन्होंने हमें जूते रखने की जगह दिखाई और हमने उतार दिए। इतना तो हमें भी आता है। चलिए अब आगे बढ़िए।

बता दें, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को अबू धाबी टूरिज्म का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। ऐसे में दोनों ने अबू धाबी की इस मस्जिद के अंदर अबाया पहनकर एक एड शूट किया था, जिस कारण उन्होंने भी काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, कुछ लोगों ने एक्ट्रेस को सपोर्ट भी किया था।

कशेली खाड़ी पुल से युवक ने लगाई छलांग

भिवंडी. 13 अक्टूबर सोमवार को सुबह लगभग 10 बजे कशेली खाड़ी के उड्डाण पुल पर एक कार चालक ने अपनी चारपहिया गाड़ी रोककर खाड़ी में छलांग लगा दी। इस हृदय विदारक घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। युवक की पहचान अनुराग केसरी (28), निवासी मैत्री पार्क, कशेली के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अनुराग अपनी कार से ठाणे की दिशा में जा रहा था। पुल पर पहुंचते ही उसने अचानक गाड़ी रोक दी और बिना किसी से कुछ कहे खाड़ी के गहरे पानी में कूद गया। घटना के बाद पुल पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही नारपोली पुलिस और ठाणे अग्निशमन दल, प्रादेशिक आपत्ती व्यवस्थापन पथक तथा ठाणे आपत्ती प्रतिसाद दल के जवान तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।

बोट की मदद से युवक की तलाश शुरू की गई। लेकिन कुछ ही देर में ज्वार (भरती) का समय आने से पानी का प्रवाह तेज हो गया, जिससे खोज अभियान को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। ठाणे महानगरपालिका के आपत्ती व्यवस्थापन कक्ष के अनुसार पुलिस ने सुरक्षा कारणों से सर्च ऑपरेशन रोकने के निर्देश दिए हैं।

बहुमंजिला व्यवसायिक इमारत में आग लगी

मुंबई. मुंबई के घाटकोपर इलाके में सोमवार दोपहर नौ मंजिला बिजनेस पार्क में भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि घाटकोपर में श्रेयस टॉकीज के पास एलबीएस रोड पर स्थित नौ मंजिला बिजनेस पार्क में अपराह्न 2:35 बजे आग लगने की सूचना मिली। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग व्यावसायिक इमारत के भूतल तक ही सीमित रही।

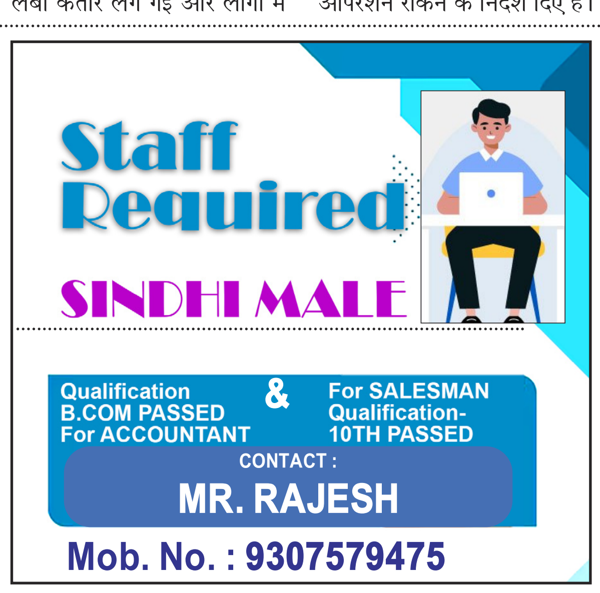

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099